राम दिवाली आज है राम दिवाली

राम दिवाली आज है राम दिवाली
चौदह बरस के बाद अयोध्या ,लौटे हैं जगवाली।

अंधियारे पथ हुए उजियारे। बड़े प्रसन्न अयोध्या वारे।।
दुल्हन जैसी सजी अयोध्या ,शोभा बनी निराली -आज है...

दीप करोड़ों जाग रहे हैं। अनहद बाजे बाज रहे हैं।।
हर कोई झूमें नाचे गावे ,हर चेहरे पै लाली -आज है...

जित देखो तित लगा है मेला। राम-भरत मिलन की बेला।।
आनंद के घन बरस रहे हैं ,झूमें डाली डाली-आज है...

"मधुप" राम गुण गात खुदाई। राम राज की ध्वज लहिराई।।
घर घर मंगल बजी बधाई ,छाई है खुशिहाली आज है... ।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33164/title/ram-diwali-aaj-hai-ram-diwali

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |